M. T. B. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. Ref. / Ser. 303

Title: Chaturmasya Padhati

Patra

303

Incomplete

Chaturanga Pattan	Title
[illegible]	Author
	Editor
	Year, Vols.
	Publisher
303 Begins abruptly	Remarks

प्रोक्षणी। सादयत्वं [illegible] वश्मत्वं मन्द्रि पत्नीं संनह्या अग्नेनो देहि॥ योनाह दानं॥ प्रत्यु
ष्टमित्यादि प्रोक्षण्यु सवनानु तं करोति॥ अदित्यास्त्वा [illegible] ध्रुवायानेवान् कोति॥ [illegible]
कमि-त्यादि त्यागनम॥ आपो देवी० नास्त॥ वेदिरसि० स्वाहा। [illegible] पि [illegible] त। परि [illegible]
नीयदर्नैस्त्व घी वेदि [illegible] वे धापवित्रे उपि पस्तन्त्य॥ विशोध्य त्रेस्व:। [illegible] तु [illegible]
नतौसादयित्वा। [illegible] वां मन्त्रेण। [illegible] वासि [illegible] द। पघास [illegible] तस्य लौकिती
विद्वो० नियं। आन्य [illegible] लौ निध्याय। विष्णुनी [illegible] वे ध्यामानी [illegible] प्रा० पा
ध्याम सघ्न नि वो [illegible] स्या। [illegible] वना व्यस्य फ र पि हो [illegible] वे धा मासा घा
स्योना मेती द० पत्ना। अ प हा स्वि० नी द॥ दक्षिणा ग्नौ लौकि के वा पत्नी पुत्रादी ना प्राशनार्थं
प्रतिवेश पवंति। दक्षिणा ग्नौ श्रपणपक्षे निर्वापप्रोक्षणावघातानस्त [illegible] कृत्वा श्रपयेत्
न। लौकिका ग्नौ वेत लौकि कतंदुलानामिव। हावेरीहि। अग्नी दग्निं [illegible] समाहि आपो
[illegible] तन्त्र नामि [illegible] समाहि। अग्रवा [illegible] तीवादाय [illegible] वान्या [illegible]
[illegible] आह। आग्नेय [illegible] हीत्यादि। आन्या नागा वि ध्या [illegible] ता [illegible] पद्माद्या [illegible] ने।

श्री गण

नमामपस्वर्भीर्वनकु-भ्रेण गृ हर्षोद ध्यानु हीनि। औषक्षानोजमर्शन। पर्वीद्वत
ता [illegible] दस्यां सिचार्थेन सी [illegible] न धारणा। अद्वय दानानिते। [illegible]
तु [illegible] कम्मा नाय [illegible] स्वाभा वितमह तोगहनप्रिनोयन्त्र॥ नहदुलो [illegible]
दिजोद दानमनुनाग हृनिधि नामनहेत्र [illegible] यासा दी के थ्या तमपूर्वरना तपनेवा। [illegible]
हहनाय नदर्य। हितीय मलानु नो यो [illegible] वाहि। वृथानी। घनम्स [illegible] नगो
बोनावहाम्या सिदायो। नव [illegible] एतमानमाग। पर्वीतनर्ती दम्सनी तेव कु
निवन्त॥ नमनुक्ता करग। अन्धासूर्यमाना घ तत्स्यो गादहानि। प्रतापरत्नो।
थौतनमा तत्र वनवत। स्मनिवामीतिर्नन्याथो [illegible] विनु चानि येपस्क निना।
ग्राम्भनि। सुतनानानभ्य। प्रतिवेशान्पत्नी पुत्रादश्यानी नि। श्रानतमधली। जर्थ
ग्येतनपाद्रयु। मन्त्री नवं ना ग्रासयति। तथा सौ तमन्द्रा ग्राम्भवलसी नदौ
तो। अग्निश्चामसताकु मीनिरथीनि॥ ॥ सनि श्वतेगहकर्मेपीर्घ। नमनक पर्या ७

गए खेर म्भावी हिंसान पालादन ओका प्र लार छोद्धाया नु लक पनदाक न
कृमा घाटस्वर देवा ना न्हथा तवर्द्धदाति तनुष्येनिम सर्वैक आन्थाद्वपथमा
ता स्वत्र त स्तोगाद दाति। गुवमनाम। अथपुर्णदक्षे अथपर रात्रमुख क नि
ना [illegible] वहुर्भाग्यस्पतिमनुष्यपाद स्नौ वेषधुरयस्य [illegible] लायत नानावृप
वैद्य गावर्ण दर्शन तदनौ वैरम्कु नी दर्वी [illegible] वना न्यता [illegible] प्रोदाणी सनिध्या
दर्भाध्याला घ पवित्र आदि सना गपूर्णहव्या तक न्वीद ध्यानुपत्नी वैश्वा नौ स्वर
वैश्वानवातुप्रवदार्यं कृनिधाय केपमादुपतस्यावते नु होति। आग्नीध्र वव
तीवा। नमन न्ह श्वामं नि श्रवणाप्रथान श्री नुकुर्यानि तेना नकान नपुत्तेनुवाक्या
मन्वयया न्ध्या नुनुहोति। पूर्णादर्वि परापतस्क म पुनरागतवसने बीन
कीमा वरान्नमनु अंशतकता दोतिम दामनितनिसे योहवित न पदर्ध। निहार
मिन्वेहतानि हारन्तिकाधमिनतेब्वाहा हप्रयेद शतक तबहहति वा।

[illegible] निकुर्यात [illegible] तेन ॥ तद
[illegible] मध्ये [illegible]
[illegible] देवता ॥ [illegible] आनडुहं [illegible]
[illegible] आनडुहं [illegible] एतद्वर्म [illegible]
[illegible] मध्ये [illegible]
[illegible] नाम [illegible]
[illegible] नाम [illegible]
[illegible] सवितृ [illegible] पूर्वस्मा [illegible]
[illegible] द्वितीय [illegible]
[illegible] सोम [illegible] सविता [illegible] प्रधानदेवता
॥ [illegible] २८

[illegible] ॥ अथ [illegible] ॥ [illegible] ॥ हविर्निर्वपामि ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ उत्तर [illegible] अग्नौ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] प्राचीनावीती यज्ञोपवीती [illegible] ॥ या: पुरस्तात् [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] हवि ॥ [illegible] पुरोडाश [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ अग्नौ [illegible] ॥ सोम पितृमा
[illegible] प्रधानदेवता: [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

पृष्ठे॥ [illegible] ॥ [illegible] मधुमती
[illegible] पितरो [illegible] पितरमातु [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] २५

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्री

हू मा भाना: के नीना दं विनु कांविक ॥ मुख ष्ठ कैर्ना पिक मद तेति धि त्रिन मगवाष पूतोनाथ
मपिवित्त नमामि अंगा मे पुम रित्रि न वेपा त्रेनि धूय मंधा विभ्रयणाने केना संयेनि
उप पूरा इम्या मवष दे त्रिकरण ॥ स्वप पने निस समान ॥ स्व दुम रसा न र्ष
गु नः ॥ गार्ह पत्य स्या पच्चा दा प्रभो नि मा पद ह्यिणा गे पूर स्या दक्षिण स्या नोतु र स्या
चेनु स्व त्रिरस कना पेन के रोति दिक् स्व क्रि नवति ॥ न वाद्ये पी या नस्या मधु रक्ति ना इ
नपेव्वाव्या पतन ॥ अथ सुर देवा हवनीय गत्वा ना हि ॥ नप वन म्यकर्त्र संवेना नाहार्य
प वन गई ॥ गापल्य व्या ने धामा यतन नि भ्या या पुने देवं पादि ॥ अप पूर्व नागाल्न स्व
हुति ॥ आग्मी धृवन ल उप विश्य पूरा ह्राति ॥ इवे स्वा दे पानु र स्पा मि मन्न नमनो नि
नष्वा इस्प न मृष्वर्धव वेद्य ॥ वास मी रा सा वेदय सम पा ओ इ ॥ लि अथ
ना हवनो पद व सव वासं चरः ॥ पेत काह्व नी गुस्वा दनह वादि ह पास्य सोदने ॥
धाव न देवा आ धित्र यूपा दक्षिणा ना भागपद ॥ पक्व निवर ॥ आना सा ने ॥ व्या धुवा आवर्ष
प्यातव नी कर्म दं निवि भूनु न्ध वे नान समान ॥ आत्य ग्रहं णप यहीनं वा न्द हीनं हानि ॥
गां नमा नेप वाना वाय पन ना नामि त्यस्मा हि ॥ इदं यथा दहा पभूति विसे मा ॥ २३

इवे माय ते न्मनयो सह नि ॥ तुन रस्वाया ॥ समाननमा पकर गुह्या ॥ वहि पश्चा हरति ॥ पापा
नेर धामि न क्रिया सविश्रा देव यजमा नाग गय ति ॥ दक्षिण वेध पने सन्नदन आनी येष वा नावि हू
नाम स्प त्रवार्हि कर्म प्रसा ले ॥ विहर्वायी न दक्षिणं समारभ्य से दक्षिणसा स्प र्शन ॥ देवी एतु बालि
धनि न्म रण मे वाहा ॥ अध्य पद्मोपव नेक ना त्रिः प्रदक्षिण म न्त्र ए समपेति ॥ पूर्व रवाणि दे पनि
परिदधानि ॥ म पूमदक्षिणा ॥ पश्वेनि सि दी वान ॥ इ व स्य भू वासि ॥ इयो दत्यु चाह ॥ स दस्ता
पुनरनिमा ॥ नी नि ॥ इयानास्या ॥ निधाय ॥ अग्ने ॥ पश्चात् विदधाति ॥ तद्युग्म सी पन्नर न्यवमि
हुरसीना हि ॥ समान मौ हा सनीत ॥ रुहा सन नमप्यन हमनीया ॥ ओं ॥ पुमना धनमुपी
स्य स्या नमर ति म हत ॥ इ रमसि ॥ सर्व ॥ आप्याय ॥ न ज नाम्यो मा पनि ने मनी नुलो म परिषा र यामि ॥ नि
समुरोद्वा धा ना अभिधार यति ॥ आप्या ॥ स्व मे ॥ स्व ॥ नमें ॥ सुरु ॥ वा बिर विर ॥ प्रत्नी
सावित्र सौ वाह सद्यो मुरु सपि भनंतु त्रानि मनि ॥ वो मन ॥ आ दुः प्रपका वी पुमेन स्य गौ
मे अप कर्भ ॥ आप्या ॥ न मापिन स्या प्रिया ने ॥ स्या ॥ ॥ आ विस्वन ॥ इहा भे मि ति रासु र
देव पान्म नेत्र ॥ नन संन क पाने ॥ स मे वीप यमप सीत पस्य ॥ दि मदा धा ना उ रमा नानि न्क
समं ॥ धाना कर भयो पा ज्य संज्ञा पनि हन ॥ नोप स्ययस्वा ॥ स्वा ॥ स्व ॥ ॥ स्व ॥

[illegible] समिधः [illegible] ॥ [illegible]

अन्नं [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ तत्र [illegible]

[illegible]

[illegible] दक्षिणतो [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] पितृभ्यः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] पितृभ्यः [illegible] प्रथमे [illegible]

[illegible] समानं ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] समानं ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] दक्षिणतः [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] दक्षिणा [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] दक्षिण [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] तीर्थेन [illegible] पि [illegible] समे [illegible] अनं [illegible] करदेस [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नीव [illegible] मे [illegible] सगारुहि [illegible] र्ल्ल [illegible] ने [illegible] वहस्त [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] निके [illegible] ॥ अ [illegible] ति [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नेवा [illegible] रस्व [illegible] दन [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] मिहो [illegible] मोधिनु [illegible] नीपु [illegible]
तुरां सुहि निवेपामि । [illegible] सुहि निवेपामि । [illegible] ॥ न [illegible] ॥
[illegible] ॥ अनी [illegible] यदि [illegible] नयनि । [illegible] ॥
[illegible] पुरोडाशानां [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] पुरोडाशान
[illegible] नीलनी [illegible] अतिमा गारोद [illegible]
[illegible] ॥ पुरोडाशानु [illegible] नदनं [illegible] यजमानस्याम [illegible] सर्व
[illegible] ॥ [illegible] स्वातः [illegible] कमकरपमु नो [illegible] शर्म [illegible] यजमानस्य
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] मयेनो [illegible] मुप ८०

[illegible] भागानि [illegible] नाति अग्निं [illegible] तंड [illegible] प्रसीर्य ॥ [illegible] निन्या नुमे [illegible]
[illegible] निष्का [illegible] वदाय ॥ [illegible] यजि [illegible] ॥ [illegible] नामि [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] वाहुति [illegible] बाद्दु [illegible] अ [illegible] ति गृह [illegible] प्रसी [illegible]
[illegible] नुमन्त्रणम [illegible] ॥ आश्राव्य प्रत्याश्राविते वरुणाय [illegible] ॥ वषट्कृते जुहोति वरुणा
[illegible] ॥ वरुण [illegible] ॥ [illegible] पुनरर्चि [illegible] वाहुति आशिषाय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नुमन्त्रणं ॥ अ [illegible] प्रसीर्य ॥ [illegible] वरुणा [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ अ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नुमन्त्रणं ॥ अ [illegible] वाहुति [illegible] आश्राव्य प्रत्याश्राविते ॥ अग्नी
वरुणौ स्विष्टकृतो यज ॥ वषट्कृते जुहोति ॥ अग्नीवरुणाभ्यां स्विष्टकृद्भ्याम् [illegible]
[illegible] स्विष्टकृते [illegible] ॥ [illegible] वाहुति [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वाहु [illegible] ॥ [illegible] नमन [illegible] ॥ अग्नीद

म महम कृष्टि । आयमि नु र्वक्रम सुव्रतं । आपो वा इति तस्मा कु उआप समकुर्वत । वे दतिषु
वैश्वा दि न मे हि । मे विश्वेति ते च दर्ड । आ सुर्मा वे नेत्रा व र सतु नेरन्नुम जाति आ मथा
क्षत्रा न्मि ते देवेभ्य दः । अय र्थि क्रा य नुयाहा मुद्रत । अय यदर्इ । न हो ह्मि स पादे य वय
अय मच्छ आ दर्व । अप्र सु सु वसुद्रा यत्ता । नमु न्द्रेत हृद्र य म स्तेत । कु वे नमु पुरो मि ता
लो विरा लो क्षमाश नाय । अस्मूर्द्धा तो दूधि ता व्र स्य स्याय नु पति मे अर्पि । म वे ध को नम
ब्र तु विष म स्याय स्या द काय इं । निष्का स स्नानी वस्तु नि हि प्य । वय माना ता नि ता हाम
द्वानि । सु मित्रा न आप ओ षध्य य सन्तु न दुरक नो अं विषपि । दुर्मि त्रा स्तस्मै पत्यासु यो
स्मान् द्वेष्टि यं च वयं द्विष्मः । अप्स अ र व य शो सु मा न वि कि व्य र्थी गो को वि मु वाति । कुम
प्रिया मि व रु ण स्य पा श य म व प्रीत स वि ता सु के त । अथा तु च्छा गो ना सु कृ त स्य लोके ह्यो
नेतस्य द्वयता क री मि ने कृ हि सुव्या । पत्नी य न मा न य रस्य प्रे ह्न आ वत । अव स्य य द ता सा
स्य म नि वि स्ना क्री र स्य स्त । प्र तिष्ठ स्थाता रु णो नय । प्र तिष्ठ स्था ता । यज मा न मु दा न य तिति । २८

तस्मा आ य व कि ल मु ख प रि स्त र्य पर्च स्य स र्वे य थपु रो इ त्रा । नो मु त रा द्धी त स्ला तू कु स्व स्व
स्या तिमे न य यो नो य स्मि न उ क्रो ति । ए कं रा व दं द्दो नह्वि ता य था व त स्व आ स्य सा रु द्ध य मु
सो नु ष त्र्व पत्ते स्व द्ध मा ना । संद्ध स्वा लि क या ती तु य स्व ने प ड़ा म वे भ्यो य थ पु रु षा य ने व वो
म थो अस्मा प्या ने व क्रे सु ने पद्दा य था स्ति । सु ग मे षा य मे षा अ वा ब रु द्र म हि मे घ
वे द स्य ये क । य था न अे य स क र द्या नो र्य स्य स । क र ध्या नः प शु म त कु र था
थाने य व स्ता च या स्वाहा । र इ द्रा या थि का या इ ह न अ ये त दो ति न द ष्पो मा स्व वे द न्य
स्यति । अ ध पु रो ड़ा शा ने के क स्मा ण्ये क प्र य च्छ ति । य ह्दे य ज मा ना या । अ थ धि
वि । प्र द क्षि णं परि यं ति । द क्षि णा नु क स्मा व्रता । अवं के य दो मे द सु ग पि पु शि व ध
न सु वी र कं मि त्र व धं नी म स्यो मु क्षि य मा म्न ता त । प्र ति प्र द क्षि णं मं त्रा हो ति ः अ प
श्य प त्नी शो त र ं न स्ति ष्ट ति । पु रो डा शो नु व क्षि प ति । भ गा य स्या । इ द सि मा न्य प नि
स्य । न प्र ति प्र द क्षि णा । य ज मा न स्य द क्षि ता अ वि वा क्ता प ति का मा च स्वा अ

४०

४१